अधिको अनुवास का विकास का अध्या का अध्य का अध्या का अध्य का अध्या का अध्य क

भीवल एक मश्लाबा स्था वस्



মহু যি ঐকৃষ্ণ দ্বিপায়ুনকৃতগর্গসংহিতোক্তম্

প্রাহরিদাসশাস্ত্রী



শ্রীইরিদাসশান্ত্রী
শ্রীগনাধরগোরইর প্রেস
শ্রীগনাধরগোরইর প্রেস
শ্রীহিদাস নিবাস, কালিয়দহ,
পোঃ—বুন্দাবন;
জেলা—মথুরা (উত্তর প্রদেশ)
প্রকাশন তিথি—
শ্রীরাসনবমী

প্রকাশক, মুদ্রক ঃ—

২১।৪।৮৩ গোর।ঙ্গান্স—৪৯৭ দিতীয় সংস্করণ প্রকাশন সহয়েতা—২.০০ টাক। সর্বাধ্বত্ব সূর্বাক্ষিত।



প্রীবলভদ্দেসহস্রনাম্যগ্রেরমূ

মহ্ধি প্রাক্তম্বাষ্থনক্তনগদংহিতোক্তম্

সদ্গ্ৰন্থ প্ৰকাশক ঃ— শীহরিদাসশান্ত্ৰী

जीनमायत्रात्रहति त्थम

अहितिमात्र निवात, कालियमर,

(शी:—तृमावनः, (क्ना—गथुता (উछत व्हातम)

जीयागवृन्तावनवाखरवान शाग्नदैवर्भिष्यक्षााश्चनवाशाग्नाघाषा

কাব্য ধ্যকিরণসংখ্যমী মাংসাবেদান্ত ভক্তক্তক্বৈফ্যব্দশ্নভীথ

বিছারহাত্ত্যপাধ্যলফ্লভেন শ্রীহরিদাসশাস্ত্রিণা

मन्यामिल्य ।

প্রকাশনরত-গ্রন্থরমূ ঃ—

बहै में कार्य में हिन्दि विद्या दिया है ज्ये । **औय फ्लान** ति उसे

Stadion Scholler Signal

Sales Shide as An Indiana entrace was

M. Parket Co.

Start Start I

क्षेत्रक विकास

至我在我在我在我我就在我就是我的我们的人们不会心态人的人的人的人的人 भूभूमश्क्रिणामा वनान्यव्यक्ष ज्ञामामाध्यामः ।

श्रीवनाष्ट्रमश्रम्भागाम्। श्रीव

कृत्यायन ख्वाह।

वमण्डम् एकव्य व्याष्ट्रियाक महामूरम। नाम्नार मङ्खर दम क्रिंहि ध्रहार एक्वरिविश ॥ऽ॥ বাড়্বিপাক উবাচ।

মাধু সাধু মহারাজ সাধু তে বিমলং মশঃ।

মং পৃচ্ছমে পরমিদং গর্গান্তং দেবহুলিভম্ ॥২॥

নামাং সহস্রং দিবানাং বক্ষানি তব চাপ্রভ:।

গর্গাচার্যেণ গোপীভোগ দত্তং কৃষ্ণাহটে শুভে ॥৩॥

ওঁ অন্ত জীবলভদ্রসহস্রনাগ্রেগ্রেমন্ত্রস্থ পর্গাহার্য

শ্বিঃ অনুষ্ট্র্য্, ছন্দঃ সম্বর্ধণঃ প্রমাত্রা দেবতা বলভদ্র

সাহা জলে ফেন্সধরঃ কুশাসনঃ গবিত্রপাণিঃ কুভ্যস্ত্রমার্জনঃ। স্বভাগ রহা বলমানাতারিজং

সুহাথ নহা বল্যচাভাগ্ৰিজং সন্ধার্যেদশ্ সমাহিতো ভবেৎ॥৪॥(গঃ ১২ অঃ ২শ্লোকি)

व्यथ सानम्

স্কুরদগলকিরীটং কিঞ্চিনীক্ষনার্ছং চলদলককপোলং কুণ্ডেলপ্রীমুখাজ্য্। তুহিনগিরিমনোজং নীলমেঘাষ্রাচ্যং হলমুসলবিশালং কামপালং সমীচ্ড় ॥৫॥ ওঁ বলভদ্ৰে। রাম্ভদ্রো রামঃ স্কর্ণণোহচ্যতঃ। (রেবতীরমণো দেবঃ কামপালো হলায়্যঃ॥৬॥ নীলাস্বরঃ শেতবর্ণো বলদেবে।হচ্যভাগ্রজঃ।

कोनकम् बन छष्टा छ। ष्रं पिनिरम्भः।

三天在在本本在在北京在在在在在在在在在在在北京的北京的 भूत्ता माम्त्रिणिखाडा (क्रीम्नाारक्ष्यक्रिक्ष ॥२४॥ प्रवार बङ्ग भ्रथ्य म स्रमर हा जार्र वाख्य ॥ १७॥ त्रायहेळ त्राघत्वळ (काभीत्नतम् व्षष्ट् ॥२१॥ काकू८ऋ, कक्षारिक्ष, द्राष्ट्रिक्स मर्वालक्ष्य 🎇 मनकः किशाला मदणः कमाटी (मदम्भा थबर्खात्म् गिरुट क किंगाताग्रत्ना मन्डा क्निः क्निधिन्नः कारमा नियाज्कवर्षतः ॥२४ श्वांकः श्वांगलो ह दन्मालो मधुखदा ॥२०॥ नुशुरी किट्यूबो 5 कर्टको कनकाम्रमी ॥२५॥ किला किम्मर्मनावरना नात्रक्नात्रम्किन्। गुक्री कुछनी मछी मिथली थएमछनी। अवास्त्रभीयम्बद्धाः यम्प्र्विद्याठनः ।

মহাহিঃ পাণিনিঃ শাস্তভাম্যকারঃ শতঞ্জনিঃ॥২৩ है देवकूर है। या किएक। या का नागतना रुतित । रुतिः मर्वात्रक्षकष्वन्युः कालाग्निः व्यवत्त्रा लग्नः। कार्जाञ्चन, किकिकाष्ट्रः एकाहोजन टेनक्रमः।

নিয়ঙ্গী কবচী খ্জা শ্রী জ্যাহতকোইকঃ।২৯ यक्जवाना यक्ष्यच्छा गातिष्ठनस्कातकः ॥७०॥ বদ্ধগোধাস,শিতাগণঃ শ্ভাকোদগুড্জনঃ।

সৌমিত্রভিরতো ধ্রী শ্তুষুঃ শ্তু তাপনঃ।

बम् नाहिक्षाङ्कान्त्रिविडीय्वास्कृत

क्रस्मा विक्रुर्वाविक्टः टार्डावकुर्वित्रमार्वद ।

"数据数据数据数据数据数据数据数据数据数据数据数据数据数据数据 शिष्ट्वाक र वा विद्या श्वी विद्या स्थित विद्या । १०० ॥ हरतमा (यात्रायंत्रः कूरमा वात्रारु नात्रमा गूनिः

等的在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在 অগ্রিপানো ত্রমপানো রক্ষাবনলতা বৈতঃ ॥৩৮॥ 🖔 (माकूटमात्मा त्मायशुर्जा (मायातमा त्मामवाज्ञाः 🌿 होष्ट्रातिः कृष्टेरुखा भना त्रिकाभनाखकः ॥८५॥ যশোমতিম,তো ভবেসা রোহিণীলাদিত শি.৫৩ নন্দরাজস্তঃ ঐশিঃ কংসারিঃ কালিয়ান্তকঃ॥ अविविध्य (किनिशक्तिकार्त्राभाम् त्रिवनाभद्धः । (शावक्रमम्मूक्ती न्किष्टिम् वष्टत्यक्ट ॥८०॥ 🖔 অ্যারিধে ফুকারিণ প্রশারিব জেখরঃ ॥৩৭॥ 🔰 গজহন্তা কংসহন্তা কালহন্তা কলঙ্গা ॥৪৩॥ नकनातिय हिकातिः करमदकामध्ड छन्। न्यात्रमाक्षणम्बाद्धाः त्राप्रमाक्षणम्ब्रमा रुगाभिकाष्ट्रियाबी भाष्ट्रियाहरें। बार्याशासिश्विः खोमान् मद्नातिः म् द्राफि छः। 🍫 द्रवा जूत्रा नन् षानम नम्पर्धात क्रमाण्मिर्छ। ह महा युक्टिवर्हकः। 💥 त्यार्थान्डरर्गायत्रस्मरमा त्यार्या त्यार्योम्, जात्रुच्डः 🗸 स्वात्रश्यो हत्यत्यी वर्षीतान्तिमात्ति ॥७६॥ त्रावनातिः गुष्मकत्त्रा कानकोवित्रशहुतः॥७८ मृ धोदः मृ धीवमत्था हनुमदलीकमानमः ॥७७ क्वक्रा म्खरक्रमा बारमा बाक्रीवरमा कि ॥ ७४ ८ ग्रनिय निविध्यिकिवकृष्टाइन्गिन्याभद्र । 🎖 भुष्टमाहिर्दकाहिन्छ छ्वावर्छनिशाष्टक्ष (मजुब्दा दावनातिनिकाम्हन्द्राहुः। मञ्जयनमकातो त्नना शकनिर्मानः।

我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我

包我,我我我我我我我我我我我我我们会个个个个个个个个个个个个个个 多少少少少少少少少少少少少少少多数在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在上, । हा विकृष्टि हुँ (का. न। वस्ता मो मगो कन ॥ १७ ्र विनिष्टेः गुष्टेमस्तारम् छहेः गुष्टेः टार्श्यकः ॥६१॥ क्रक्ती मिथती मिली विविधाक्रिय मन ॥ १८॥ बकार्ड, थाश्रा र्वात्मामग्रह्म ॥४१॥ क्त्रोक्कक्तरम्मिछः विह्छ। त्मघमछनः ॥६६ বিশ্বকর্মা বিশ্বধর্মা দেবশ্র্সা দয়ানিধিঃ ॥৫৩॥ সিদ্ধগীতঃ সিদ্ধন্থঃ শুক্লচামর্বাজিতঃ ॥৫৪॥ ভারাকঃ কারনাস*চ বিষোগ্ঠঃ সুমিতচ্ছবিঃ। क्याडितकाः भीनारमः शष्ट्यामम्बहुतम् ग्रिङः। ्र (मत्त्रा देवच्छामां । मधुमाध्यत्रम्ब्रु বারাণসাগতঃ ক্রদ্ধঃ সর্বাই সোপ্ত কথাতক राखनाश्वमक्षयो तथी (कोत्रवर्शकिडः। চৈজশক্তঃ শক্তগমে। দন্তবক্লিষ্ দনঃ। गर्।त्रिक क्वियत्त्री गर्।त्रिकाशनक्ष 500 क आगनामः (गोमार कोशशतिविद्यः। 88 ऐ श्कारण धनाथारक। मानाथारक। बत्नथंदः ८१ (क्रााजिक्ष्माजिष्णजी ट्रिन्जा क्रिनिशाइङ्ग क्रर्यायनकक्र क्रिंशिषाभिकाक्तः क्यो ॥8फ र्मिष्माफिज्ञामारका मानरमा एकदरमनः। রেবভাপোবাথ চ রেবভাপিরকারকঃ ॥৪৬॥ मूद्राजिमपटना गटन्मार्थानकरका थियनार वहुः। পাঞ্জপুত্রসহাররুৎ। কুন্তা ভ্ৰমণ্ডনকরঃ কুপকণ প্রহারর ৭॥৫•॥ जमखक्मिविधाता माछोवो तकोत्रविष्ठः। क्षात्रकः क्षात्रको क्षात्रक्तन्तिशः॥८३॥ वीत्रका वीत्रम्थनः अधिरक्तिमायतः ॥४८॥ यूक्रफूक्रबनग्रथा मुख्री भुख्रोविभात्ति । (त्रवर्गी डिखर्ड । त्रवर्गे वर्षक्षमः। । मात्रशांत्र्यवन्

विश्विष्टिश्यनार भ जिल्लाक्रिका कारो ॥७८॥ । दार्डा इंड मार मात्री मार में हा निर्द्ध का कि ড়িবুমটো গুৰো গোলো গুৰাভাসো গুৰাৱভঃ। खनान्त्रा छन्निह्छ'न्याजो म्नांकहः ॥७७॥ নিত্যোৎক্ষরো নিবিকাংঃ করে। হজ অস্তথা-8ে এন্ডা ভৰ্ট্ৰতো ভবিষ্যাচালবিপ্ৰইঃ । ৬৭॥ ইল্লায়জহন্তাচ স্দামা সোখ্যদায়কঃ। ম্নাদিরাদিরানন্দঃ প্রত্যন্ধামা নিরন্তরঃ। रमस्याननी करी गरमा गरमा गमायकः किर ह्यो फलाकार हा निर्मृ (६ मृत् त्र ६)।

रैनश्मिषाइनीयाबाषी त्राम्डोडीइदाम्ब्र ॥ ८४

शानवाङ्, भावरुषा ठीयम्यो करन्यतः

शककीयानवान् यशे दिवक्षत्रह्मीविज्ञांकरः।

बद्यानशकष्ठधत्त्रा विशामी (मावम्स्युष्ट ॥६३

ग्रामिद्य धनमः (गोन्छाः शुनहात्राशः । ७०॥

সরযুদেস্ত্রন্ন

व्यज्ञाश्राचित्राक क

गमागत्रमम्। मखरगामात्रोग्रिं

(वनी जीमत्रथी (मामा जामनी वरहो। ७०

गर्वनः गर्विदि गार्थः मगर्वामः ममला ।

निवर्षिकः ॥१०॥ ग.क.(जाश्टाक्क बात्रुटन्।ब्टमात्माश्मारमा

心脏殺我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我

कूकरम ज्राजी हारमा क्रीमर्श्रामरम्भिन् ॥७८ 🖤

मिन्नाखा अधामक दिन्नुदिन्नुम, इंदि । ७०॥

शुक्रतः रमक्ताताष्ट्रम् महमात्राता खगः।

टार्गोग्रेम, टाडार्टनी बिर्टनी मह्सृष्त्रा ॥७२॥

क्रड्यांना महाश्रुशा कारद्वी ह शर्जाक्नी।

क्रस्या श्रम्मा नम्मान ह शस्रा जात्रीह्यों नमी।

बेक्ट, मास्र, खच्ड,ख्याका वाजीभार जा क्षेत्र मिड्ड 多数战战战战战战战战战战战战战战战战战战战战战战战战战战战战战战战 हरस्थितिष्टि छ खनत्मा टैनश्रिष्टीक्रज्ञामग्रः ॥५०% श्रुककः मिमिन्नः करका ष्टाक्रिषः टैम्टनमुख्यः॥ ॥ १ 💥 होयतः जीयत्ता नोनायटना गित्रियटना युत्रो ॥ ৮८॥ ্গত্রীপোথ্জিতগ্রেদা লোকালোকাচলা শিত্ ि किया है। एक्वमहिता विकास ना किन्म नहा जमस्थात्रकाख्यां जार्गातमात्करणा भवार र्याजः मछा नहस्त्राष्ठ क मनार् गारि छ। एत ।। १८ ्रात्नाक्षाम्बियत्वा त्यारिकाक्षेष्ट्यपः। तारगारेवक्रधमाष्ट्र व्याशी देवक्रधमात्रक्ड। র্ত্তহা দেবলোক শচ দাশী কুমুদবান্ধবঃ ॥৭৯॥ नक्तरतामा मार्मार सुर्भ १,० १ थ्र शुरुष्प गुरु ज्रिक्डरिक्टरिक्ट (का हि वक्ता छका इक्टा कराख्य व्यवस्था मा कराखीं मिर् करा कुल वक्त वक्तिश्वां वक्ता छात्रीतका व्यातिक विविधः। 💥 कानकारता त्रक्रमात्र मंत्री प्रमित्ति विवास्ति चेत्र (क्षेत्रत्का (वाष्रतका (वाषी ब्रह्मां दश्मिका का इन् অংশাংশ,শচ নরাবেরশাহরতারো তৃথার্হিত। गरमी निगरमी र मर्भाषि निर्दारिश (दाय डिज्यान মহর্জনস্তপঃ সত্যৎ ভুতু বঃ ফ্রিগ্ত ব্রিধা ॥৭৩॥ विकार्राखक्राहा देमनाक अनु दरमा शाहित्यक । शितिरमा श्वनाष्ट शोहोटमा शित्रक्वत ॥१७ অ। ধ্যাপ্তকোহাৰভূত্ৰচাধিদৈ? ও কাল্ডানাই ঃ॥ নৈমিতিকঃ প্রান্তবিক আত্যাতিকময়োলরঃ। म् ज्ञानात्मा त्मव्गित्रिः श्क्रार्वमास्टित्का गिरिहु । ষরতুঃ শান্তিবঃ শৃত্তুঃ স্বারন্ত্র ব্যহার্ত্র ॥৭৫॥ মথ্তরাবতার*চ মুর্মনুস্তোহনঘঃ। মহাবাযুমহাবীর শ্রেষ্টার্লগ্র কুফি ভ

ANTERNATIONAL STANDART STANDAR বৈয়াকরণকচ্ছকে। বৈয়াসঃ পাক্তিকাচঃ॥৯১ 🦑 রত্ন দলধারী চ ধোতবস্তুসমার্তঃ॥৯৮॥ 🎚 वाकारकाष्ट्रै भष्टकाष्ट्रैं (क्वाइंड्रांड्री त्रमार्थावर। ग्राज्यस्थित्यत्रेयात्रम् विभाषित्र्याष्ट्रव्यः ॥ ३८॥ बर्याः था यत्र जाको ह यत्कोर हा यत्रानः ॥ ३८॥ পৌরাণিকঃ স্মৃতিকরো বৈজ্যে বিজ্যাবিশারদঃ ब्लक्षात्त्रा लक्ष्मनार्था वाक्राविष् स्वानिविष्गिः। নানাংঘাকরঃ কৌশা নামাকোশেরবেষধ্ক্। প্রিনার উজ্জেলঃ স্বচ্ছোইছুতো হাতেখা ভ্রানকঃ। নানাগুপ্ধরঃ খুব্দা গুপ্ধয়া প্রস্জিতঃ ॥৯৬॥ मामादर्गित्रा वर्षा मामावळ्थतः गमा ॥ भगा नानाठकनश्रमात्मा नानाशुष्पद्रमाकिच्छ। श्रामत्करः क्रिय जेनवर्भाविव्धा দানামণিসমাকীপো নানাইছহিত্যণঃ। ু কাণাদিগৌতমো বাদী বাদোনৈয়ায়িকো নয়ঃ ইবশেষিকো ধর্মশান্তী সর্বশাস্তাথীতত্ত্বগঃ। (उपगछद्गर माध्यमाखी मीमारमो कथनामडाक् কুতান্তকালসজ্যারিঃ কুটঃ কলান্তবৈত্রবঃ ॥৮৭॥ থপ্রাশী বিষাশী চ শক্তিহন্তঃ শিব্যথদঃ॥৮৮॥ পণ্ডিতন্তর্কবিদান্ বৈ বেদপাসী শ্রুতীখনঃ ॥৮৯ ্বতালভূদুতসজ্ঞ বুলাণ্ডগণসংরতঃ ॥**৮৬**॥ व्यमत्येष्टः शक्ष्मिकम् कामोतमा मृत्ता त्रमः। শু শ্লস্চ্যপিতগজো গজচরধরে। গজী॥৮৫॥ ब्छमानौ मुख्मानौ न्यानौ मछक्मछनुः ষ্ডাননো বীরভন্দো দক্ষযজ্জবিঘাতকঃ। পিনাকটকারকরো লজ্বাকাস্থ্র

💘 भाजान्डिभाजानिषीश्रिकः शक्तरतिष्ट्रः ॥১১५ 🎎 कागनः मृत्य बामृतः मृत्यः यश टक्रः।११० জ,ধবান্ জসুক। জা জসুদাপো দিপারিক।। मुक्तेर्जिट मुघणाट क्वीरजा घणकी तकद्खन ॥५०१ दाशमष्ट्रेत्का दाशभीराजा दाशिगोत्तगर्गारम_,क**ः**। হিলেন নে তিত্রবাথংশচ ফ্রাজানি আরো মূত্ खाऱ्या शांच्याबावम्ह यत्त्राष्ट्र क्लाक्त्र ॥५८२ উর্জঃ ক্ষু.জ। নির্জন্ত বিজ্ঞাে জনবার্জ্জাতঃ। জুর জিত্ত্রর বি। চ জুর যুক্ত বিজুরো জুর । । । । পীতে।ক্ষীষ্ণগিতে।ক্ষীয়ো রক্তোক্টীয়ো দিংস্বঃ ও তুল সাধুণ থিরাভ্যত্ন সাধ্যে সাধ্যে সাধ্যে। न्त्रमात्या निष्टतन्ता मुक्तिमात्यास्यमान्दः। कीशतका (अघशहां छे छोदार्शा शालकरमक 🖁 ॥ দামী জামৌ শতানন্দঃ শতহামঃ শতক্তি। 🏅 মহাবন্নিবাসী চ লোহাগ্লবনাধিগ্ণ। भीत्र विद्यास्य मित्र हित्य क्रिक्स क्रिक्स विद्या कि है। क्रिक्स क्र 🎖 मत्र्वाश्या मित्रश्यामा (शात्माकाको द्राज्ञाकाः সিকতাভুমীচারী চ বালকেলির জিল্ডিকঃ।১০৩ ক্তকোৎসঙ্গনোলোনঃ কুগুলাভূত আস্থিতঃ। তক্রতুক বক্রহারী চ দ্বিচেরিক্রতানঃ॥১৯১॥ माश्रुत्ता मश्रुताप्तमा हिन्द थक्षनत्ताहमः ॥५०५॥ मुक्टरकरमा वरमज्ञमः कालिमोक्नानोमः पः टाडाबडोवक्रकत्ता मांगे मार्गा मत्ता मगो। 🏑 खोत्रमावनमकातो वस्नीविहेच्छाञ्च ॥५०८॥ क्रमात्कामार्को कुनो ९.स्ट्याम्बरामध्ति ।। , उन्नायसंग्र भूति। मनन्द्रनम्प्यतान्। ध्रानपूर्यत्रम्यामः काकश्कात्रः দ্ধিহন্ত। চুন্ধ গুরো নবনীত্মিতাশ্ন্ত।

金在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在 ্ জগুমাতা জগুলাতা জগুছতি। জগুৎপিত। ॥১১৯ उस्तार्मात्वा वसार्ना। वस्त्राका मध्र জ্যষ্ঠাদ্নাতা জগাঁমানো জগ্ৎস্থঃ 🖔 কুণ্ধারী কুশঃ কৌশী কৌশিকঃ কুশবিগ্রহঃ। 🐧 দ'রকাতুঃথসংহজ। দারকাজনমঙ্গাঃ। ১ কুশস্থলিপতিঃ কাশীনাগে। তৈরবশাসনঃ॥১১৩ 🐧 জগ্মাতা জগজাতা জগজ্জী জগৎপিতা অন্ধ:কাতুনুভিজে/তঃ প্রালোভ সাত্ত্যৎ পতিঃ भ मार्थः माद्यः वाक्यः ज्यास्य व्यक्षात्रकार्यः । () পু উত্রদেনবিষঃ পার্থসাযেগ্যা যচুসভাপতিঃ। সুষ্রাধিগতিঃ সাক্ষাৎ র্ফিচকার্ডো ভিষক্ बाङ्कः मर्सनौजिक উदारगत्मा गत्राधानाक्। উত্যদেশবিষয়ঃ পার্থপ্রাথেটা যতুসভাপতিঃ। শ সভাশীলঃ সভাদী?ঃ সভাগ্রিশ্চ সভারবিঃ। শুরসোনইকুনিষ্যো ভোজরুফ্যকাকেধহঃ।

नादाश्वाखी बक्तांखो त्रवश्लाषा त्रवाहि ।।ऽ२४॥ । जदमारिक्यां के नबरना जिन्न स्व कि ॥ ३ ४ 8॥ অক্ফোহিণীরতো যোদ্ধা প্রতিমাপ্তসংযুত্ত,॥ विधानम्बनाक्ष्रीतम् विधानारमाम्बन्धिन् ॥ विटाए का विटालक स्थिति। विटाशमानु १,३। চত্রথিকর।ঃ ?,দ্বব্লী সামজোদ, তপাচুকঃ। মহারথ শুর্গিরুপে। জেবং সুন্দনমাফিতঃ। বিপ্রমুপ্রো বিপ্রতি । বিপ্রমূত্যহাকথঃ। विधाष्ट्रिक कमपुष्टास्मा विधारमवाशहाइ५% बक्तनामत्रकुष्णानी बक्तनामित्रददकु।

()我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我

সভাচন্দ্রঃ সভাভাসঃ সদেশদেবঃ সভাপাতঃ ১১১৭

প্রজাপ দঃ প্রজাত্তি। প্রজাগালন্ত্রপরঃ। সিরকাতুর্গ্রপরী দারকাথ্যহবিথ্যহঃ॥১১৮॥

.

忽我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我我 वक्षार व्यम्हार वरमा त्याती त्यातामिनर्छ । १८७ 心在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在在 শতবারং পঠেদ যক্ত স বিজাবান্ ভবেদিহ।।১৩৩।। वन्तरमाक ४५ भठेमार मर्क्र बारमां जिमानदः ॥५७८ অলহরোতি তদ্দারং অমদ্ভুদাবলী ভূশ্য ॥১৩৯ (क्षांगक्रमेनरजामान्दिलाकिन्कृत्वान्त्राद् ॥५७१॥ महामुखल एक मिलिएक। मुक्त मुक्त ॥ ५०० मा महत्यात्र्वभाटीन वनार मिनि टाकाग्रट ॥५७६॥ गक्राक्टलश्य कालिम्नौक्टल प्रयोभाग्न ज्यो। পুতাৰ্থী লভতে পুতং ধনাথী লভতে ধনম। इन्मित्राक विष्टिकाष्टिकार जागरम् । পটলং পদ্ধতিং স্তোত্ৰং কৰচন্ত্ৰ বিধায় চ गर्किमिषिद्यानः मृगाः ठष्ट्र्र्रिकलयानम्। गत्ज्ञकर्ने वाक्षा गमग्रक्षन निष्ठाना। 🚜 ইতি নায়াৎ সহত্ৰন্ত বলভদ্ৰতা কীৰ্জিনম্ ॥১৩২॥ है वीत्रायायः क्रिडेवश्येषायात्म। वाह्यात्मनः ॥ऽरि बाहेरात्माः नहिसतः नहिताकानांकः नारुः ॥>३३ माध्रां व्याः माध्रुधनः माध्रुक्तां कः स्थाघनः ॥५७५ ्र गरमादक्ष्यि युक्तवीरत्र। एमवास्त्रिक्षक्तः। १ क्तिकवीयक्षद्विष्ठदक्ष्यगाश्विक्षकः ॥५५७॥ डि ब्रिडिड (ब्राह्म) वापवयीयूर्डात्रुम्ड সাধুর্ভক্তপরাধীনঃ স্বতন্ত্রঃ সাধুভূষণঃ॥১৩• ज्य उत्रः माध्राहः माध्रहास्याना मनाक्। कुन्नवरक्षा खन्नकः भक्तिन्दर्भरनाज्ञा क्लाः शहेर्वामित्वा हक्काता श्किड्यनः माधूहांत्री माधूहिछः माधूदणः खुडाम्यापः। भ यकार्याक जनमात्रः (यो एया मः यह मन् ब्यार्श वीत्रम्भारका मक्ता त्रव्यम्

भेतार भंतर महात्रोक त्रारमांकर थाम यां हि॥ १६२ 1 निकातनः भार्यम् बख ब्योख्यं त्त्रवर्णेन्तः। नाग्नार गरयर म कोदनमुक ऐहाए ॥१८० हिष्ये (अक्रममः भाषः छ्छत्। मर्वस्थरः विरु महालाजिकालि छनः शहिताममस्यक्षा ॥५८५ गम। बरमहन्य ग्रीह बल्लिएहार्ग्जोबिकः

मुत्नां हि त्यां यात्र हत्द्वः म याहि

इष्ट् गया एक कथिक ज्राथिस

गर्कार्थितः खीवलाज्ज्याष्ट्रम

विमाकः श्रृकाग्राग्राम ज्यमुख्नाभागिषः पृष्ठा थाए.-मार्डताष्ट्र मनर्वाया महिलाया भवता एका। लाए-विभीरक। गुनौरखा नकाख्तार यासगर कनाम ॥५८७ डेजि अंड्रीक्राधक्य दलरात्वय नकाष्ट्र श्रिमान्

नावम खनाठ

की की महायत्रातिक्ति (बाम, भूतान कानिमर्ह,

ভর্বতোইনহস্ত বল্ডদ্র পরব্দাণঃ কথাং যঃ

শ্পুতে শাবয়তে তয়ানন্দময়ে। তব্তি।১৪৪

ইতি জীমদর্গসংহিতায়াং জীবলভদ্রথ विरामान्यानस्यथ्यं भ्रम् ॥५८४ लाष्ट्रिमाक्कर्यग्रायनम् वारम् বলভদ্র সঙ্জনামবর্ণনং নাম ज्रामिटभाश्मांशः ॥५७



तुर्वात्र, मथ्ता

॥ जीजीत्रोत्रत्रायत्वो विकास्त्राम्॥

হিন্দী অক্সরে যুদ্রিত গ্রন্থ ়—

। ,त्रमाख मर्भन (जागवक जाग्र मानुवाम)

जीनुमिश्ट हरूकिनी ७। खीमायनामृड्डिखिक।

जारगोवरगोविक्नार्किन श्रव्धि

ज्यादायाक्कार्कन हो भिका

खीरभाविमनीनागृङ (गृन, प्रिका, व्ययूताप

मह 5 ड्यं मर्गाष्ट्र)

१। जेश्ररी कामिश्रनी (गुन, अञ्चराप)

৮। मानद्य क्वाक्य मिन, (माजुनाम)

। हरू:(ज्ञाको जाम (मृन व्यत्रताप)

३)। खारथम मन्त्रुह (मृन, जिका, अस्वाम) । अक्षिण्यमाग्र (मून, व्यश्नाप)

52। छत्रम्छित्रात्र मगुक्तः (गृत, ब्यस्तात)

১७। वक्रमों हिन्दामनि (मुन, निका अस्ताम)

३० | <u>बाक्कक किवत्र श्र</u>ाम

581 जीत्नीविक्तवृत्मावन्त्र

১७। रितर्मिकिकक्षात मध्यर

১৭ অণ্ডিস্ততি ব্যাখ্যা ১৮। আহ্রেকুফাহামন্ত্র ১३। धर्मिश्टार्ह २०। जीटिन्ममृष्टि स्थाकत्र २>। मनरक्यांत म्रहिला २२। खीनांगायुक मगुख

२७ । त्रांग थ्रवक्त (माञ्चराप)

२८। पिनिटिस्मिको (माञ्चनाष्)

२०। यकीशाविज्ञाम भत्कीशाव श्राज्ञिमम २७। खोतायात्रम स्थमानिषः (मृत्) २१। खीताबातमञ्जूषानिष्टः (मूल, जब्दा, ष्यद्भुदाप मह)

३४। शायन मीशिका

२३। खारमादिमन्त्रीलाग्र्ड (ग्रन, डीका, अब्रुदाम गर्)

" (4-22 羽が) (22-20 羽が)

७३। बोटिडकारम् । युर्म ७२। मित्रीकाम् छ स्मित्रि ७३। जिक्तिको ७०। खोत्रक्ति हिंग एक। (वर्षाष्ट्रभाष्ट्रकः ७१। ७दमन्तर् (मृत, जिरु, माध्रताष्ट्र) ७५। व्यत्त्रम् उष्टारवा

७४ । प्रभारक्षाको छाग्रम्, ७३। खाँखा छिन्नमाम् भ्रम्भ

৪০। গায়ত্রী ব্যাখ্যাবিবৃতিঃ, জীজীবগোসামি প্রণীতা অগ্নিপুরাণস্থ গায়ত্রী ব্যাখান,সন্ধ্যোপাসনা বিধিসমন্বিভা বাংলা অক্তরে মুদ্রিত গ্রন্থ ঃ—

- ৪১। শ্রীসাধনামৃতচন্দ্রিকা (পয়ার)
- ৪২। ভর্বস্ত ক্রিসার সমুচ্চয় (সারুবাদ)
- ৪৩) জীরাধারসম্বধানিধি (মূল,)
- 88। জীরাধারসমুধানিধি(সান্ত্রাদ) ৪৫। ভক্তিসর্বম্ব

৪৬। মনঃশিকা ৪৭। ভক্তিচান্ত্রকা

- ৪৮। রায় শেখরের পদাবলী
- ৪৯। জীবলভদ সহস্রনাম স্তোত্তম ৫০। ছর্লভদার

প্রকাশনরত গ্রন্থরত্ব ঃ—

১। ভগবত-সন্দর্ভঃ ২। প্রমাত্ম-সন্দর্ভঃ

৩। কৃষ্ণ-সন্দর্ভঃ ৪। শ্রীহরিভক্তিবিলাসঃ

- ৫। এটিচভক্তরিভাম ত-মহাকাবাম
- ও। আহৈ চক্ত বিভামুতম্ (মূল, ভারুবাদ (হন্দী)
- १। औरहर्मा । ११ में ११ की ११ विकास मार्थित ।
- ৯ 1 সাধকোল্লাস: (বাংলা)

